काम करना नहीं चाहते लोग, परोसा हुआ चाहिए

आइआइटी व एचबीटीयू के मंच पर मुख्यमंत्री ने कही खरी-खरी, नौकरशाह और जनता के रवैये के प्रति झलकी नाखुशी

जागरण संवाददाता, कानपुर : सरकार के प्रयास, नौकरशाहों का रवैया और जनता का स्वभाव। हर पहलू को बहुत करीब से देख-समझ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुभव शायद कुछ कड़वे हो चले हैं। अमूमन मंचों से सरकार की योजनाएं और वादों का जिक्र करने वाले योगी कानपुर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) और हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) के मंच पर कतई खरे-खरे अंदाज में नजर आए। तमाम समझाइश के साथ यह कहने से भी नहीं चूके कि लोग कुछ करना नहीं चाहते, सिर्फ परोसा हुआ चाहते हैं। मौजूद संसाधनों का सही इस्तेमाल नहीं करते। जो नहीं है, उसकी डिमांड करते कहते हैं कि यह होता तो ये कर देते।

आइआइटी में स्टार्टअप मास्टर क्लास के उद्घाटन को पहुंचे योगी आदित्यनाथ के दिल में टीस है कि यहां से दक्षता हासिल कर युवा दूसरे देशों में सेवाएं देते हैं। चुटकी लेते हुए कह दिया कि यहां के युवा अयोध्या छोड़कर सोने की लंका में जा बसे हैं। साथ ही कहा कि हमने अभी बेसिक शिक्षकों की भर्ती निकाली तो 15 लाख आवेदन गए, लेकिन कहो तो कोई गांव में पढ़ाने नहीं आना चाहता। वहीं, एचबीटीयू में तमाम विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद वही रुख यहां भी जारी रहा। आइआइटी और एचबीटीयू की तकनीकी दक्षता को सराहा। फिर बोले कि किसानों की आय दोगुनी हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृदा परीक्षण की योजना शुरू की। इसके लिए प्रत्येक लैब स्थापित करने में कम से कम एक लाख रुपये का खर्चा है। प्रदेश में 60 हजार गांव हैं। बहुत बड़ा खर्चा है। यदि जिम्मेदार अधिकारी चाहते तो स्कूल-कॉलेजों में स्थापित प्रयोगशालाओं में ही यह काम शुरू कर सकते थे, लेकिन नहीं किया।

आज हम कहीं ग्रामीण क्षेत्र में चले जाएं तो ग्रामीण सबसे पहले छुट्टा जानवर की समस्या उठाएंगे। हम उसके लिए गौशाला बनाने, भवन सहित अन्य संसाधन देने को तैयार हैं। मगर, हम चाहते हैं कि ग्रामीण मिलकर गौशाला का संचालन करें, गोबर गैस प्लांट स्थापित करें, लेकिन लोग कुछ करना नहीं चाहते। परोसा हुआ चाहते हैं। तभी तो प्रदेश से एक भी प्रस्ताव नहीं आया है। समझ लें कि सरकार पर बोझ बनकर हम बहुत आगे तक चल नहीं सकते हैं।

तकनीकी संस्थानों के मौजूदा कार्यों से भी योगी आदित्यनाथ पूरी तरह संतुष्ट नजर नहीं आए। कहा कि स्मॉग की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। पराली जलाई जा रही है। उससे फ्यूल भी बनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए संस्थान काम नहीं कर पा रहे हैं। तकनीकी संस्थान चाहें तो आमजन के जीवन स्तर को ऊपर उठा सकते हैं। इसके लिए मिलकर काम करना होगा। उन्होंने अपने शब्दों में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का मतलब भी समझाया।

आइआइटी के स्टार्टअप मास्टर क्लास के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय विद्यालय की छात्रा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्मान करने आई तो उन्होंने अपना शॉल उसे ओढ़ाकर दुलार किया • जागरण

500 वर्षों की रूपरेखा बनाए एचबीटीयू

मुख्यमंत्री ने एचबीटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक से कहा कि संस्थान के सौ वर्ष पूर्व होने पर आप लोग देश के विकास के लिए 500 वर्ष आगे तक की रूपरेखा बनाएं। उसे बताने के लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को बुलाएं। वह प्रोत्साहित करेंगे, सहयोग देंगे।

मंच पर यह भी थे आसीन

कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन, सतीश महाना, सत्यदेव पचौरी, सांसद देवेंद्र सिंह भोले, महापौर प्रमिला पांडेय, कानपुर-बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, विधायक नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी, अभिजीत सांगा, भगवती सागर, एमएलसी डॉ. अरुण पाठक, सचिव प्राविधिक शिक्षा भुवनेश कुमार, आइआइटी के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल और एचबीटीयू के कुलसचिव प्रो. करुणाकर सिंह।

इन योजनाओं का किया शिलान्यास

पं. दीनदयाल उपाध्याय बहुउद्देश्यीय हॉल, लेक्चरर हॉल कॉम्पलेक्स, सभागार, उद्भवन केंद्र, अबाधित विद्युत आपूर्ति केंद्र, शुद्ध पेयजल सुविधा, दिव्यांगजन हेतु लिफ्ट स्थापना एवं विभिन्न निर्माण कार्य।

लोकार्पण : 320 क्षमता का छात्रावास, व्यायामशाला, ड्रॉइंग हॉल, वाहन पार्किंग, वाई-फाई सुविधा और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स।

कानपुर की गंगा पर इलाहाबाद के कुंभ की जिम्मेदारी

- आइआइटी के मास्टर स्टार्टअप क्लास में बोले मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, कानपुर : अगले वर्ष इलाहाबाद में होने वाले कुंभ की जिम्मेदारी कानपुर की भी है। प्रदेश में गंगा सबसे ज्यादा प्रदूषित कानपुर में ही हैं। सफाई के लिए एक वर्ष का समय है। कुंभ में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु आते है, इस लिए यह मुद्दा उठना लाजमी है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी ने आइआइटी के स्टार्टअप मास्टर क्लास में कहीं।

उन्होंने कहा कि प्रदूषण की स्थिति यह है कि सर्दी के दिनों में प्रदूषण की वजह से स्मॉग के कारण स्कूल व कालेज तक बंद करने पड़े थे। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम न होने से प्रदेश के शहरों का चुनाव स्मार्ट सिटी में नहीं हो सका है लेकिन भविष्य में 22 करोड़ की आबादी वाले इस प्रदेश को स्मार्ट बनाना है।

कम बारिश से बिगड़ा किसानी का चक्र :मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष नेपाल से सटे 24 जिलों में इतनी बारिश हुई कि वह बाढ़ग्रस्त हो गए। अन्य जिलों में कम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी। इस वर्ष बुंदेलखंड व आगरा क्षेत्र में कम बारिश की आशंका है।

उद्योगों को संजीवनी:भदोही का कालीन, पीलीभीत का बांसुरी, अलीगढ़ का ताला व लखनऊ का चिकन उद्योग मायूस है। शहरों की पहचान उद्योगों को संजीवनी के लिए वन डिस्ट्रिक वन प्रोजेक्ट योजना लागू की गई है।

रोशनी और रोजगार से चमका ओडिशा का गांव

- पूर्व आइआइटीयन की पहल से स्मार्ट विलेज बना ओडिशा का पिछड़ा गांव 'छोटकी'
- 20 वर्ष बाद अमेरिका से लौटे अशोक के दास बिजली समस्या देख मिला आइडिया
- फिनलैंड की कंपनी की मदद से बदल डाली गांव की तकदीर, सौर उर्जा से जगमगा रहे इस गांव में नहीं है कोई इंजीनियर

जागरण संवाददाता, कानपुर : बिहार के छोटे से गांव में रहने वाले आइआइटी के पूर्व छात्र अशोक के.दास ने ओडिशा के गांव छोटकी को देश का पहला स्मार्ट विलेज बनाकर मिसाल कायम की है। वर्ष 1985 में आइआइटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद वे अमेरिका चले गए और 20 वर्ष बाद लौटे अशोक ने देश में बिजली की किल्लत देख स्मार्ट गांव के लिए स्टार्टअप शुरू किया। फिनलैंड की एक कंपनी की मदद से कई वर्षों के शोध के बाद उन्होंने ओडिशा के गांव को रोशनी और रोजगार दोनों दिए।

आइआइटी में स्टार्टअप की मास्टर क्लास में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अपने इस कार्य का प्रजेंटेशन दिया। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सौर ऊर्जा से जगमगा रहा है जबकि यहां पर तकनीकी चीजों को संचालित करने के लिए कोई इंजीनियर नहीं है। आठवीं पास लोग इन तकनीक को संचालित कर रहे हैं। जहां पहले एक फसल होती थी, आज इस गांव में तीन फसलें हो रही हैं। अब वे झारखंड के नक्सली गांव को स्मार्ट विलेज बनाने जा रहे हैं।

मास्टर क्लास में डैशकिट (फोल्डिंग मेज व बस्ता का मिलाजुला उत्पाद) पेश किया गया जो उन बच्चों के लिए वरदान है जिन्हें स्कूलों में जमीन पर बैठकर पढ़ाई करनी पड़ती है। अंकित अग्रवाल ने फूलों से अगरबत्ती व थर्माकोल बनाने का स्टार्टअप पेश किया।

हुनरमंदों को कंपनियों से रूबरू कराने के लिए इजी नौकरी स्टार्टअप के बारे में भी मास्टर क्लास में बताया गया। दो सौ स्टार्टअप दो दिन के इस कार्यक्रम में अपना प्रजेंटेशन देंगे। इस मौके पर सिडबी इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर के हेड प्रो. बीवी फणी समेत लोग मौजूद रहे।

आइआइटी में 300 करोड़ के स्टार्टअप स्थापित

आइआइटी निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि आइआइटी के इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन सेंटर से 46 स्टार्टअप हैं जिनमें कई संचालित हैं और कई निकल चुके हैं। जबकि कई नए स्टार्टअप स्थापित हो रहे हैं। उन्हें मिलाकर तीन सौ करोड़ के स्टार्टअप स्थापित हैं। पूर्व छात्रों के नेतृत्व में स्टार्टअप को बढ़ाने के लिए एक संगठन बनाया गया है। यह स्टार्टअप प्रदेश की सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए शोध कार्य कर रहे हैं।

आइआइटी की मास्टर क्लास में मुख्यमंत्री व प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन के साथ ओडिशा के गांव को पहला स्मार्ट गांव बनाने वाले आइआइटी के पूर्व छात्र अशोक के दास •

राज्यपाल व मुख्यमंत्री के हाथों उद्यमी व कारोबारी सम्मानित

टेक्सटाइल कारोबारी शांतनु गुप्ता को सम्मानित करते राज्यपाल राम नाईक व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

कानपुर: यूपी दिवस के मौके पर 26 जनवरी को लखनऊ में राज्यपाल राम नाईक व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों शहर की आठ औद्योगिक इकाइयों के संचालक सम्मानित हुए। बेहतर प्रदर्शन करने वाले चार एमएसएमई और बेहतर निर्यात के लिए चार निर्यातकों को सम्मानित किया। उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने कहा, उद्यमियों का चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर हुआ। आयुषी निगम को दक्षता हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एमएसएमई अवार्ड: योगेशचंद्र श्रीवास्तव, कारोबारी (सर्विस इंडस्ट्री), मोहित सक्सेना, सैडलरी कारोबारी, दीनबंधु, ट्रांसपोर्ट कारोबारी,बलराम नरुला, होजरी कारोबारी।

एक्सपोर्ट अवार्ड: मनाफ मुस्तफा, चमड़ा कारोबारी, शांतनु गुप्ता, टेक्सटाइल कारोबारी, विशाल सिंह, टेक्सटाइल कारोबारी, सुनील कुमार तिवारी, सीनियर मैनेजर।

डा. दिनेश शर्मा आज शहर में

कानपुर: उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा रविवार को शहर में होंगे। वे सुबह 10.45 बजे आएंगे और विभिन्न कार्यक्रमों शरीक होने के उपरांत 3.30 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

- सुबह 9 बजे: लखनऊ से चलेंगे, 10.45 बजे : सरयू नारायण बाल विद्यालय इंटर कालेज आजाद नगर पहुंचेंगे, 11.30 बजे वहां से रवाना होंगे और 11.45 बजे ग्रीन पार्क स्टेडियम पहुंचेंगे, 12.30 बजे वहां से रवाना होकर 12.45 बजे मर्चेंट चैंबर पहुंचेंगे, 1.05 बजे मर्चेंट चैंबर से रवाना होंगे और 1.15 बजे बीएनएसडी शिक्षा निकेतन बेनाझाबर पहुंचेंगे, 2.00 बजे वहां से रवाना होंगे और 2.10 बजे एस्सेल पैलेस शास्त्री हुंचेंगे, 3.15 बजे रामादेवी में कार्यक्रम में भाग लेंगे।